तीन महीने में 94 करोड़ रुपये का डिजिटल लेन-देन हुआ, बैंक भी इसे कर रहे हैं प्रोत्साहित

यूपी वालों को तेजी से भा रहा कैशलेस लेनदेन

राज्य मुख्यालय | **अजित खरे**

खरीदारी व सेवाओं के भुगतान के लिए अब यूपी वाले डिजिटल पेमेंट का सहारा ले रहे हैं। कोरोनाकाल में इसका इस्तेमाल और बढ़ गया है। इस साल केवल अप्रैल, मई व जून में ही नगद भुगतान के बजाए 94.17 करोड़ डिजिटली भुगतान किया गया। खाने पीने का सामान हो या मेडिकल सेवाएं या यात्रा, होटल सेवाएं या अन्य भुगतान। लोग अब नगद भुगतान के बजाए इस विकल्प को तेजी से अपना रहे हैं।

डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के साथ साथ इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा तो पहले से ही थी। भीमऐप का भी इस्तेमाल भी बढ़ गया है।

कुछ समय पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य स्तरीय बैंकिंग समिति की बैठक में डिजिटली पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए बैंकों से बड़े स्तर पर प्रयास करने को कहा था ताकि लोग नकदी के इस्तेमाल की बजाए इन तरीकों का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा कर सकें।

मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया अभियान को उत्तर प्रदेश में बढ़ाने के लिए पांच बैंक भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, यूनियन बैंक आफ इंडिया व एचडीएफसी सबसे आगे रहे हैं। पिछले साल सर्वाधिक 122 करोड़ से ज्यादा के लेनेदेन भारतीय स्टेट बैंक के जरिए किए गए थे। इनके ग्राहकों ने आरटीजीएस, आधार पे, यूपीआई जैसे माध्यमों का भी खूब इस्तेमाल किया। नेशनल पेमेंटस फॉर कॉरपोरेश्न आफ इंडिया के मुताबिक यूपी में प्रति व्यक्ति औसत डिजिटल ट्रांजेक्शनस 7.731 है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु व कर्नाटक जैसे राज्य यूपी से पीछे हैं। दिल्ली, चंडीगढ़, आंधप्रदेश यूपी से आगे हैं।

बढ़ रहा कैशलेस भुगतान

वित्तीय वर्ष	डिजिटल ट्रांजेक्शनस
2017-18	122.84
2018-19	169.69
2019-20	189.07
2020-21	391.02
2021-22 (अप्रैल-जून तक)	94.17 (करोड़ में)

> पिछले साल ही डिजिटल पेमेंट में दुगने से ज्यादा इजाफा हो गया है। बैंकों से कहा गया है कि वह कैशलेस भुगतान के लिए ग्राहकों को प्रोत्साहित करें।
>
> **शिव सिंह यादव**, महानिदेशक संस्थागत वित्त